THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) and (b). The Foundation has published a book entitled "Directory of Mass Employment" which *inter-alia* outlines the possibilities of large-scale employment creation in rural areas through the development of animal husbandry, horticulture, agro—and forest industries, other village industries and tourism.

वर्ष 1978 के दौरान कोयले का उत्पादन

1426. **श्री अनन्तराम जायसवाल :**

श्री डी० अमात :

क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें पता है कि इस वर्ष कोयले का उत्पादन निर्धारित लक्ष्य से कम होने की संभावना है ;

(ख) यदि हां, तो इस वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य क्या है ;

(ग) 1 जनवरी, 1978 से 30 जून, 1978 की अवधि की तुलना में पिछले वर्ष की इसी अवधि में कोयले का उत्पादन कितना था; और

(घ) कोयले के उत्पादन में कमी के क्या कारण हैं और निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सरकार ने क्या-क्या उपाय करने का निर्णय किया है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) और (ख): चालू वर्ष के दौरान 113.5 मिलियन टन कोयले का उत्पादन करने की योजना बनाई गई है । यद्यपि चालू वर्ष की पहली तिमाही कोयला उद्योग के लिए कठिनाई का समय रही है, फिर भी कोयले का उत्पादन बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे अनेक कदमों से आशा है कि स्थिति में सुधार हो जाएगा ।

(ग) जनवरी से जून, 1977 के दौरान 52.2 मिलियन टन कोयले का उत्पादन हुआ था । इसकी तुलना में वर्ष 1978 की इसी अवधि में 53.08 मिलियन टन का उत्पादन हुआ है ।

(घ) इस वर्ष कोयले के उत्पादन में कोई गिरावट नहीं आई है । फिर भी, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं :—

(i) विस्फोटकों की कमी पूरी करने के लिए उन का आयात ।

(ii) बिहार में बिजली की कमी को पूरा करने के लिए उड़ीसा की फालत बिजली बिहार पहुंचाना ।

(iii) शेष रहे वर्ष के दौरान लक्ष्य को पूरा करने के लिए उत्पादन कार्यक्रम की पुनरीक्षा और संशोधन ।

(iv) कोयला कंपनियों से कहा गया है कि ऐसी परियोजनाओं का पता लगाकर उन्हें लागू करें जिन में वास्तविक उत्पादन शुरू करने में कम समय लगता है । इससे कोयले के अतिरिक्त उत्पादन शीघ्र होने लगेगा ।

Illegal Entry of Foreigners

1427. SHRI V. M. SUDHEERAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of foreigners are entering our country illegally without passport through different borders i.e. Indo-Bangladesh, Indo-Pakistan and Indo-Burma;